भारत सरकार
वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय
वाणिज्य विभाग

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं. **600**

दिनांक 03 फरवरी, 2026 को उत्तर दिए जाने के लिए

मसालों और पाक जड़ी-बूटियों संबंधी कोडेक्स समिति

600. श्री जनार्दन सिंह सीग्रीवाल:
श्री आलोक शर्मा:

क्या **वाणिज्य और उद्योग मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) वर्ष 2024 की तुलना में 2025 में इन मानकों को अपनाने के बाद हल्दी, इलायची और धनिया जैसे प्रमुख मसालों के निर्यात में कितने प्रतिशत की वृद्धि हुई है,

(ख) कोडेक्स मानकों के अनुपालन से लाभान्वित होने वाले किसानों और सहकारी समूहों की कुल संख्या कितनी है और उनकी आय में अनुमानित वृद्धि का ब्यौरा क्या है;

(ग) कोडेक्स मानकों के पालन के कारण 2025 में भारतीय मसाला निर्यातकों द्वारा कितने नए अंतरराष्ट्रीय बाजारों या खरीदारों तक पहुँच बनाई गई; और

(घ) वैश्विक गुणवत्ता मानदंडों के अनुपालन के कारण 2025 में अस्वीकृत या वापस किए गए मसालों के खेपों में कितनी मापनीय कमी देखी गई ?

उत्तर
वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय में राज्य मंत्री
(श्री जितिन प्रसाद)

(क). भारत से हल्दी, इलायची और धनिया का कुल निर्यात वर्ष 2024-25 में 628.05 मिलियन अमेरिकी डॉलर रहा, जो वर्ष 2023-24 में इन तीनों मसालों के 479.75 मिलियन अमेरिकी डॉलर के निर्यात की तुलना में 30.92% की वृद्धि दर्शाता है।

(ख) से (घ). मसालों और पाक जड़ी-बूटियों संबंधी कोडेक्स समिति गुणवत्ता मानकों के विकास पर कार्य करती है, जिसमें आंतरिक गुणवत्ता निर्धारित करने वाली संरचनात्मक विशेषताएं और कारक शामिल हैं। इन मानकों का लाभ यह है कि ये अंतरराष्ट्रीय स्तर पर स्वीकृत संदर्भ मानदंड प्रदान करते हैं, जो वैश्विक बाजारों में भारतीय उत्पादों की स्वीकार्यता बढ़ाने में सहायक होते हैं। हालांकि, निर्यात की मात्रा या किसानों की आय विभिन्न कारकों से प्रभावित हो सकती है, जिनमें वैश्विक मांग, आपूर्ति और मूल्य रुझान, गुणवत्ता में सुधार और विभिन्न घरेलू तथा अंतरराष्ट्रीय गुणवत्ता मानकों का अनुपालन शामिल हैं।

वर्ष 2024-25 के दौरान, भारत ने विश्व स्तर पर 180 गंतव्यों को मसाले और मसाला उत्पाद निर्यात किए। वर्ष 2023-24 और 2024-25 दोनों के दौरान, भारत से निर्यात किए गए मसालों और मसाला उत्पादों की खेपों में से 99.8% से अधिक खेप अंतरराष्ट्रीय बाजारों में स्वीकार की गई।

****